सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 178 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 2 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है, इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।

-विलियम शेक्सपीयर

कुसाले ने दिलाया भारत को तीसरा... 7 | अतंर्कलह से बीजेपी नहीं कर पा... 3 | कोटे में कोटा के फैसले पर उठा... 2

राहुल व योगी के बयान पर पूरे देश में घमासान

नेता प्रतिपक्ष का दावा- ईडी मारने वाली है छापा

» यूपी विधानसभा में सीएम योगी ने कहा था नौकरी करने नहीं आया हूं
» विपक्ष ने एनडीए सरकार व पीएम मोदी को घेरा
» सपा ने भाजपा व सीएम पर किया करारा हमला
» बीजेपी बोली- झूठ बोल रहे कांग्रेस नेता

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल व योगी के बयानों को लेकर पूरे देश में सियासी घमासान मचा हुआ। पहला बयान दिल्ली से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आया जिसमें उन्होंने कहा है मोदी सरकार उनके यहां ईडी की छापेमारी करवाना चाह रही है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि संसद में उनके द्वारा चक्रव्यूह वाले बयान के बाद ईडी ऐसी योजना बना रही है।

उनके बयान के बाद इंडिया गठबंधन के सहयोगियों ने एनडीए सरकार को घेरना शुरू कर दिया वही बीजेपी ने भी बिना देर लगाए उन पर झूठ फैलाने का आरोप लगा दिया। उधर दूसरा बयान यूपी के सीएम योगी का है जो उन्होंने विधानसभा में सत्र के दौरान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि वह यहां नौकरी करने नहीं आए है उन्हें अपने मठ में इससे ज्यादा प्रतिष्ठा मिलती है। उनके इस बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उन पर तंज कसा है।

बाहें फैलाकर ईडी का इंतजार कर रहा हूं : राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि वह बाहें फैलाकर इंतजार कर रहे थे, जब ईडी के सूत्रों ने उन्हें बताया कि छापेमारी की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा, जाहिर है कि दो में से एक को मेरा चक्रव्यूह वाला बयान पसंद नहीं आया होगा। उन्होंने कहा मेरी तरफ से चाय और बिस्किट। राहुल गांधी ने कमल के चिह्न को प्रदर्शित करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और दावा किया कि 21 वीं सदी का नया चक्रव्यूह रचा गया है। उन्होंने आगे कहा, कुरुक्षेत्र में हजारों साल पहले छह लोगों ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर मार डाला था। मैंने थोड़ा रिसर्च किया और पाया कि चक्रव्यूह को पद्मव्यूह से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है कमल का निर्माण।

सरकार ने घुटने टेक दिए हैं : प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि उन्हें यह जानकारी मिल रही है कि ईडी अधिकारी उनके आवास पर छापेमारी कर सकते हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने आगे कहा, जब सरकार डर जाती है तो वह ईडी और सीबीआई को आगे कर देती है। हम लगातार इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि यह सरकार ईडी, सीबीआई और आयकर के माध्यम से कैसे अपना एजेंडा चलाती है। इसी तरह से महुआ मोइत्रा, संजय राउत, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल के साथ किया है। ये चुनिंदा कार्रवाई दिखाती है कि इन एजेंसियों ने सरकार के सामने कैसे घुटने टेक दिए हैं।

राहुल गांधी का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता : राम गोपाल

समाजवादी पार्टी नेता राम गोपाल यादव ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान-मैं ईडी का खुले हाथों से इंतजार करूंगा क्योंकि मेरे खिलाफ श्वष्ठ की छापेमारी की योजना बनाई जा रही है पर कहा , उन्होंने कहा है तो वह सही ही कह रहे होंगे। जनता जिसके साथ होती है उसका कोई कुछ नहीं कर सकता। राहुल गांधी का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है।

राहुल गांधी पर हो सकता है हमला, विदेश में रची जा रही साजिश : संजय राउत

राहुल गांधी को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद पर पर हमला हो सकता है। उनके खिलाफ विदेशी धरती पर साजिश हो रही है। कांग्रेस सांसद की तारीफ करते हुए संजय राउत ने कहा कि राहुल ने लोकसभा में अपने भाषणों से भाजपा नेताओं की नींद हराम कर रखी है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी नेता राहुल गांधी के खिलाफ साजिश रच रहे हैं और कुछ भी हो सकता है। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आगे कहा,राहुल गांधी देश के लोकतांत्रिक ढांचे को बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इससे भाजपा नेता बेचैन हो गए हैं। राहुल गांधी ने भाजपा नेताओं की रातों की नींद हराम कर दी है और यही कारण है कि वे विदेशी धरती से उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं।

किसी का गुस्सा किसी और पर उतर रहा : अखिलेश

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विधानसभा में दिए एक बयान को लेकर राज्य की सियासत नई बहस शुरू हो गई है। गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने प्रतिष्ठा और नौकरी वाला जो बयान दिया था, उसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना किसी का नाम लिए बड़े संकेत दिए हैं। कन्नौज सांसद ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि दिल्ली का गुस्सा लखनऊ में क्यों उतार रहे हैं? सवाल ये है कि इनकी प्रतिष्ठा को ठेस किसने पहुंचाई? कह रहे हैं सामने वालों से पर बता रहे हैं पीछे वालों को, कोई है पीछे?।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ के इस बयान को दिल्ली के प्रति गुस्सा बता दिया और पूछा कि इनकी प्रतिष्ठा को किसने ठेस पहुंचाई है. उन्होंने इशारा किया कि सीएम योगी यहां विपक्षी दलों को नहीं बल्कि किसी और को लेकर ये बयान दे रहे हैं. इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की ओर इशारा किया। दरअसल, सीएम ने गुरुवार को सदन में सपा सदस्यों से मुखातिब होते हुए कहा आपको बुलडोजर से डर लगता है लेकिन यह निर्दोष के लिए नहीं है बल्कि उन अपराधियों के लिए है जो प्रदेश के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं, प्रदेश के व्यापारियों और बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का काम करते हैं। सीएम सख्त लहजे में कहा- मैं यहां नौकरी करने के लिये नहीं आया हूं, मेरा दायित्व बनता है कि अगर कोई गड़बड़ी करेगा तो वह भुगतेगा भी। यह हमारी सामान्य लड़ाई नहीं है, यह प्रतिष्ठा की लड़ाई भी नहीं है, मुझे प्रतिष्ठा प्राप्त करनी होती तो उससे ज्यादा प्रतिष्ठा मुझे अपने मठ में मिल जाती है।

भाजपा के कुछ लोगों के व्यक्तिगत फायदे के लिए लाया जा रहा है नजूल विधेयक : सपा

दूसरी तरफ इस विधेयक के पारित नहीं हो पाने पर राजनीति भी शुरू हो गयी है। समाजवादी पार्टी के एक्स अकाउंट से ट्वीट किया गया है कि सुना है मुख्यमंत्री योगी ये बिल अपने निजी फायदे के लिए ला रहे थे, इस बिल का जनहित या भाजपा हित से कोई वास्ता नहीं था, गोरखपुर में बेशकीमती जमीनों पर सीएम की नजर है जो जमीनें नजूल के अंतर्गत आ रही थीं। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से योगी जी ने सोचा कि सत्ता का फायदा उठाकर उन जमीनों में खेल कर लिया जाए इसीलिए ये बिल लाया गया है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी के इस दुःस्वप्न पर भाजपा संगठन ने पानी फेर दिया है। वहीं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने ट्वीट किया है कि नजूल ज़मीन विधेयक दरअसल भाजपा के कुछ लोगों के व्यक्तिगत फ़ायदे के लिए लाया जा रहा है जो अपने आसपास की ज़मीन को हड़पना चाहते हैं।

कोटे में कोटा के फैसले पर उठा सवाल

» बसपा व आजाद समाज पार्टी ने दी तीखी प्रतिक्रिया

» कांग्रेस व बीजेपी ने साधी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को मिलने वाले आरक्षण को लेकर गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए एससी-एसटी में कोटे के अंदर कोटे को मंजूरी दे दी है. चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की संविधान पीठ ने 6-1 के बहुमत से ये फैसला सुनाया जिस पर सियासत शुरू हो गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि उन जातियों को आरक्षण दिया जा सके जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं, हालांकि, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि राज्यों को पिछड़ेपन और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर उप-वर्गीकरण करना होगा, ना कि मर्जी और राजनीतिक लाभ के आधार पर। वहीं इस मामले में लोकसभा सांसद चंद्रशेखर व बसपा प्रमुख मायवती ने तीखी टिप्पणी की है।

सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं : मायावती

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। बसपा सुप्रीमो ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर नाराजगी जताई और कहा कि इन वर्गों के बीच आरक्षण का बँटवारा करना कितना उचित होगा। बसपा सुप्रीमो ने एक्स पर लिखा- सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं, क्या देश के ख़ासकर करोड़ों दलितों व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव-मुक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का हो पाया है, अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित?। उन्होंने आगे कहा- देश के एससी, एसटी व ओबीसी बहुजनों के प्रति कांग्रेस व भाजपा दोनों ही पार्टियों/सरकारों का रवैया उदारवादी रहा है सुधारवादी नहीं। वे इनके सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के पक्षधर नहीं वरना इन लोगों के आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में डालकर इसकी सुरक्षा जरूर की गयी होती।

वर्गीकरण सुप्रीम कोर्ट से ही हो : चंद्रशेखर

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आजाद समाज पार्टी के नेता और लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जिन जजों ने ये ऑर्डर दिया, उसमें एससी, एसटी के कितने हैं। ये बहुत जरूरी है कि अगर आप वर्गीकरण करना ही चाह रहे हैं तो सुप्रीम कोर्ट से इसकी शुरुआत होनी चाहिए। वहां तो लंबे समय से कुछ ही परिवारों का कब्जा है। एससी और एसटी के लोगों को आप घुसने नहीं दे रहे हो लेकिन क्या सामान्य जाति के लोगों में अवसर नहीं है, उनको भी आप मौका नहीं दे रहे, अगर आपको वर्गीकरण करना ही है तो सर्वोच्च संस्था से ही क्यों ना किया जाए, नीचे से क्या करना चाहते हैं, क्या एससी, एसटी की मॉनिटरिंग की है, जो आपने ऑर्डर दिया था रिजर्वेशन में प्रमोशन का, क्या एससी और एसटी का बैकलॉग भरा गया, क्या आपको जानकारी है कि क्या आंकड़े है जो एससी और एसटी को आरक्षण मिल रहा है। आर्थिक स्थिति के क्या आंकड़े है आपके पास, बंद कमरे में बैठकर कुछ भी फैसला ले लिया जाएगा। क्या ये आर्टिकल 341 का उल्लंघन नहीं है। आपने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के आधार पर ईडब्ल्यूएस के फैसले को मान्यता दी।

बदतमीज और मनहूस हैं रेलमंत्री : बेनीवाल

» सदन में अश्विनी वैष्णव से हुआ तीखा विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। नागौर सांसद और आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच संसद में तीखा विवाद हो गया। विवाद इस कदर बढ़ गया कि बेनीवाल ने रेल मंत्री को बदतमीज और मनहूस कह दिया। दरअसल हनुमान बेनीवाल राजस्थान से संबंधित रेल मुद्दों पर रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित करना चाहते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि रेल मंत्री ने उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया और उनकी तरफ इशारे करके कहा, आप बाहर जाइए। आपको देख लूंगा।

बेनीवाल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पर ट्रेन दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी का आरोप लगाया और कहा कि मंत्री बनने के बाद से रेल मंत्रालय के कामकाज में गिरावट आई है। उन्होंने कहा,जब से रेल मंत्रालय इनके हाथ में आया है, लगातार ट्रेन दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। जब कोई व्यक्ति ट्रेन के अंदर सोता है तो उसको नींद नहीं आती, वो यही सोचता रहता है कि न जाने कब गाड़ी पटरी से उतर जाएगी। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री का व्यवहार संसदीय मर्यादाओं के विपरीत है और उन्होंने उन्हें धमकी भी दी। बेनीवाल ने इंडिया अलायंस का आभार जताया और कहा कि उन्होंने रेल मंत्री के खिलाफ वेल में जोरदार विरोध किया। बेनीवाल ने कहा, ये हमारा अधिकार है कि कटौती प्रस्ताव के अंदर हम बोल सकते हैं। कुछ कटौती प्रस्ताव की डिमांड कर सकते हैं, लेकिन रेल मंत्री ने मेरे साथ बदतमीजी की। बेनीवाल ने मोदी सरकार पर ब्योरोक्रेट्स द्वारा संचालित होने का आरोप लगाया और कहा, ये जनता के बीच रहने वाले लोग नहीं हैं। ये ब्यूरोक्रेट्स हैं और दुर्भाग्य से मोदी जी की सरकार को ब्यूरोक्रेट्स ही चला रहे हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि ये लोकतंत्र है।

पीएम से बर्खास्तगी की मांग

बेनीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अश्विनी वैष्णव को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं कि ऐसे मंत्री को बर्खास्त करें। ये एमपी के कागजों का जवाब नहीं देता। एमपी को मिलने का टाइम नहीं देता। सत्ता पक्ष के ज्यादातर सांसद भी खुश थे कि आज रेल मंत्री का सही इलाज हुआ है।

ईडी की कार्रवाई के बाद संजीव हंस का तबादला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सरकार ने ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव संजीव हंस के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के कुछ दिनों बाद उनका तबादला कर दिया। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1997 बैच के अधिकारी संजीव हंस को अब जीएडी में स्थानांतरित कर दिया गया है।

वह बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (बीएसपीएचसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे और उन्हें इस प्रभार से भी मुक्त कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर तैनात बिहार कैडर के 1993 बैच के आईएएस अधिकारी संदीप पौंड्रिक, प्रधान सचिव (ऊर्जा विभाग) और बीएसपीएचसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।

राजीव युवा मितान क्लब बंद करने पर छत्तीसगढ़ में बवाल

» कांग्रेस सरकार में शुरू हुई योजना को बीजेपी ने किया बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के द्वारा राजीव युवा मितान क्लब की शुरूआत की गई थी। सरकार बदलते ही यह योजना भी वर्तमान भाजपा सरकार के द्वारा न केवल बंद की गई, बल्कि इसके तहत जारी किए गए करोड़ों रुपये की राशि का अब ऑडिट भी कराया जा रहा है। इसे लेकर महासमुंद में भाजपा-कांग्रेस में जमकर सियासत देखने को मिल रही है।

भाजपा इसे भ्रष्टाचार की योजना बता रही है तो वहीं कांग्रेस जैसी पार्टी वैसी उसकी सोच का बयान देती नजर आ रही है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में चलाए जा रहे राजीव युवा मितान क्लब योजना के बंद होने के बाद अब बनाए गए क्लबों के द्वारा किये गए खर्च राशि का ऑडिट कराया जा रहा है।

इसके साथ ही क्लबों के खातों को सीज कर शेष राशि की वसूली भी की जा रही है। जो क्लब खर्च किए गए राशि के बिल पेश नहीं कर रहे और ऑडिट नहीं करा रहे हैं उन्हें नोटिस भी जारी किया जा रहा है। महासमुंद में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा कुल 582 क्लब बनाये गए थे। सामाजिक, सांस्कृतिक, खेल एवं अन्य गतिविधियों के लिए इन क्लबों को एक साल में 5 करोड़ 82 लाख की राशि का वितरण किया गया था। वर्ष 2022-23 और 23 24 में इन क्लबों में राशि वितरण किया गया, लेकिन पूर्व सरकार में दो सालों तक खर्च की गई राशि का कोई ऑडिट या हिसाब नहीं लिया गया था।

जिसकी जैसी सोच होती है वह वैसी बात करता है : विनोद चंद्राकर

कांग्रेस के पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर ने भाजपा के इस आरोप को अनर्गल बयानबाजी बताते हुए कहा कि जिसकी जैसी सोच होती है वह वैसा बात करते हैं। उन्होंने कहा कि जब योजना की शुरुआत की गई थी तो कांग्रेस सरकार की हम मनसा थी कि सामाजिक उत्थान हो, छत्तीसगढ़ की संस्कृति का उत्थान हो, छत्तीसगढ़िया खेलकूद को बढ़ावा मिले, युवाओं को आगे लाने की सोच भूपेश बघेल की थी, जो भाजपा को अब पच नहीं रहा है।

खाओ पियो योजना थी : विमल चोपड़ा

पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा ने जहां इस योजना को खाओ पियो योजना बताते हुए भ्रष्टाचार का एक पहलू होने का आरोप लगाया है। डॉ. विमल चोपड़ा का कहना है कि केवल 10प्रतिशत की राशि अन्य गतिविधियों में खर्च की गई थी। जबकि 90प्रतिशत की राशि कांग्रेस अपने कार्यक्रमों में भीड़ जुटाने, कार्यकर्ताओं में दारू पार्टी करने के लिए खर्च की है। उन्होंने इस योजना पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस योजना का निर्माण और संचालन भी कांग्रेस के विधायकों के इशारों पर होता था।

पीएम मोदी गोलवलकर से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं: डेरेक ओब्रायन

» टीएमसी ने राज्यपालों की नियुक्ति पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा सदन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रशंसा किए जाने के एक दिन बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता डेरेक ओब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिंदुत्व संगठन के दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी नेता ने हाल में लिखा अपना एक लेख 'एक्स' पर साझा किया।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मोदी आरएसएस के गोलवलकर से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता जयराम रमेश का

एक पोस्ट भी साझा किया जिसमें उन्होंने भी आरएसएस की आलोचना की है। अपने निजी ब्लॉग पर साझा किए गए लेख में ओब्रायन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में 10 में से सात मंत्री संघ परिवार से आते हैं, 10 में से चार राज्यपाल पूर्व प्रचारक और आरएसएस और उसके सहयोगी संगठनों के स्वयंसेवक हैं, और भाजपा शासित 12 राज्यों में से आठ में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री स्वयंसेवक हैं।

अंतर्कलह से बीजेपी नहीं कर पा रही सुलह

यूपी से लेकर बंगाल तक बड़े नेताओं में शीतयुद्ध

- बिहार व कर्नाटक में सहयोगी भी बढ़ा रहे भाजपा की टेंशन
- जेडीएस व जेडीयू ने उड़ाई एनडीए सरकार की नींद
- बंगाल के बटवारे पर भाजपा में दो फाड़
- दिलीप घोष के बयान से सामने आई अंतर्कलह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी व बंगाल में बीजेपी अपनी पार्टी के अंदर अंतर्कलह से जूझ ही रही है साथ ही उसके सहयोगी भी समय-समय पर उसे परेशान कर रहे हैं। जहां बिहार में जदयू समय-समय पर विशेष दर्जे को लेकर बीच बीच में बयान जारी कर बीजेपी को असहज कर देती है तो दूसरी ओर कर्नाटक में कुमार स्वामी को लेकर भी भाजपा या एनडीए को कभी-कभी परेशानी से दो-चार होते देखा जा सकता है। हालांकि इन सबके बीच भाजपा अपने घर को दुरुस्त करने में तो जुटी ही है अपने सहयोगियों को भी साधने की पूरी कोशिश करती नजर आती है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अंतर्कलह बढ़ती जा रही है। लोकसभा चुनाव में कम सीटें और उपचुनाव में चार विधानसभा सीटों पर हार के अलावा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के चलते पार्टी में हालात कुछ ठीक नजर नहीं आ रहे।

साथ ही कोई बंगाल के कुछ जिलों को दूसरे राज्यों के साथ मिलाकर केंद्र शासित राज्य बनाने की मांग कर रहा है और कोई बंगाल के बंटवारे के खिलाफ है, इन सभी मुद्दों को लेकर पार्टी के नेता अलग-अलग खड़े दिख रहे हैं, इस अंतर्कलह में सबसे ज्यादा चर्चा में तीन लोग हैं- शुभेंदु अधिकारी, बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष। 25 जुलाई को गोड्डा से बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने संसद में बंगाल के मुर्शिदाबाद और मालदा को बिहार-झारखंड के कुछ जिलों के साथ मिलाकर एक केंद्रशासित राज्य बनाने की मांग उठाई. उनसे पहले सुकांत मजूमदार ने उत्तर बंगाल को पूर्वोत्तर राज्यों के परिषद के साथ मिलाने की बात कही थी, जबकि विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकरी ने बंगाल के बंटवारे के किसी भी प्रयास का खुलकर विरोध किया था। शुभेंदु अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि बीजेपी इसका सपोर्ट नहीं करती है और बंगाल का बंटवारा पार्टी का स्टैंड नहीं है। लोकसभा चुनाव और फिर विधानसभा की चार सीटों पर हुए उपचुनाव में मिली हार को लेकर पार्टी ने बांकुड़ा में बैठक की, जिसमें चुनावों में बीजेपी के प्रदर्शन को लेकर मंथन किया गया। जहां चुनाव से पहले बीजेपी के नेता 25 लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे थे। वहीं, पार्टी 12 सीटों पर ही सिमट गई। इसी बैठक में पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने ऐसी बात कही दी, जिससे बीजेपी की अंतर्कलह उभर कर सबके सामने आ गई। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी को संगठन मजबूत करना आता है, आंदोलन किस तरह चलाया जाता है, ये भी आता है, लेकिन वोट कैसे हासिल किया जाए वो हम नहीं जानते, चुनाव जीतने के लिए वोट हासिल करने की चाबी का फॉर्मूला हमने कहीं खो दिया है, इसका जवाब सुकांत मजूमदार ने भी दिया और कहा कि लोग हर चीज की जानकारी लेकर पैदा नहीं होत।

विधानसभा चुनावों में संघ से तालमेल पर आगे बढ़ी भाजपा

लोकसभा चुनाव में बीजेपी की सीटों के कम होने की एक वजह आरएसएस के साथ उसके तालमेल की कमी को भी माना गया। बीजेपी के अतिआत्मविश्वास का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता था कि उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनाव के दौरान ही एक इंटरव्यू में कहा कि अब भाजपा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जरूरत नहीं है, वह खुद सक्षम है। लेकिन 4 जून को चुनाव नतीजों के बाद बीजेपी का ये भ्रम भी शायद टूट गया। अब आने वाले चुनावों में ये गलती न दोहराई जाए, इसके लिए बीजेपी कमर कस चुकी है। संघ से तालमेल में कोई कोर कसर न रह जाए, इसका खूब खयाल रख रही है। इसकी झलक महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में दिख रही है जहां इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, बीजेपी के हरियाणा प्रभारी बिप्लब देब और सह-प्रभारी सुरेंद्र सिंह नागर सहित सूबे के बीजेपी नेता बैठक में शामिल हुए। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी एल संतोष ने भी बैठक में शिरकत की। आरएसएस की तरफ से उसके सह सरकार्यवाह अरुण कुमार और हरियाणा इकाई के पदाधिकारी शामिल हुए। कुमार का काम बीजेपी और संघ के बीच सेतु का है। उन्हें दोनों संगठनों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी मिली हुई है। बैठक सोमवार शाम को शुरू हुई और आधी रात तक चली। बीजेपी के झारखंड प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी झारखंड चुनावों पर चर्चा करने के लिए अरुण कुमार से मुलाकात की।

2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद माना जा रहा है कि संघ कार्यकर्ता लोकसभा चुनावों में सक्रिय रूप से शामिल नहीं थे। बीजेपी और उसके वैचारिक संरक्षक के बीच समन्वय की कमी थी। महाराष्ट्र के लिए भी दो दिनों तक ऐसी ही बैठक हुई, जो बीजेपी और आरएसएस दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनाव है। बैठक में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव के अलावा अरुण कुमार और अतुल लिमाये सहित संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। संघ के एक वर्ग को महाराष्ट्र में अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ बीजेपी के गठबंधन पर कुछ आपत्तियां हैं।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र में शुरू कर दी विधानसभा चुनाव की तैयारी

कांग्रेस ने मुंबई की सभी 36 सीटों के लिए प्रभारी नियुक्त कर आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य में विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर में होने की संभावना है। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में, अविभाजित शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने क्रमशः 56 और 54 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 44 सीटें हासिल कीं। कांग्रेस इनमें से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने का इरादा

रखती है, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) इतनी सीटें आवंटित करने में झिझक रही है, और इसके बजाय 22 से 25 सीटों पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य रखती है। 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने मुंबई में 4 सीटें जीतीं, जबकि अविभाजित शिवसेना ने 14 सीटें जीतीं।चुनावी रणनीति पर चर्चा के लिए बुधवार (31 जुलाई) को उद्धव ठाकरे ने मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) पदाधिकारियों के साथ बैठक की। सीट बंटवारे के विवाद को सुलझाने के लिए बालासाहेब थोराट समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता काम कर रहे हैं। सीट-बंटवारे के मुद्दों को संबोधित करने के लिए एमवीए (महाराष्ट्र विकास अघाड़ी) की एक संयुक्त बैठक अस्थायी रूप से 7 अगस्त को निर्धारित है।

पदयात्रा को लेकर बीजेपी पर भड़के कुमारस्वामी

लोकसभा चुनाव में कर्नाटक से एच डी कुमारस्वामी को दो सांसद देने के बावजूद भी कैबिनेट मिनिस्ट्री मिल गई। उन्हें उद्योग और इस्पात जैसा मंत्रालय मिला। इसके बावजूद भी एचडी कुमारस्वामी भारतीय जनता पार्टी पर भड़के हुए हैं। लोकसभा चुनाव में कर्नाटक से एच डी कुमारस्वामी को दो सांसद देने के बावजूद भी कैबिनेट मिनिस्ट्री मिल गई। उन्हें उद्योग और इस्पात जैसा मंत्रालय मिला। इसके बावजूद भी एचडी कुमारस्वामी भारतीय जनता पार्टी पर भड़के हुए हैं। कर्नाटक में कुमारस्वामी के नाराज चलने की वजह से भाजपा की पदयात्रा में खलल पड़ सकती है, कुमारस्वामी ने साफ कहा है कि जेडीएस भाजपा की पदयात्रा में ना ही शामिल होगी और ना ही समर्थन देगी। कुमारस्वामी ने इसका कारण दिया कि एक तो भाजपा ने उनको भरोसे में नहीं लिया तो वहीं पदयात्रा में करने के लिए प्रीतम गौड़ा को चुना। यह वही नेता है जिसने देवगौड़ा और कुमारस्वामी को जड़ से उखाड़ फेंकने की सुपारी ले रखी है। कुमारस्वामी ने इसका कारण दिया कि एक तो भाजपा ने उनको भरोसे में नहीं लिया तो वहीं पदयात्रा में करने के लिए प्रीतम गौड़ा को चुना। यह वही नेता है जिसने देवगौड़ा और कुमारस्वामी को जड़ से उखाड़ फेंकने की सुपारी ले रखी है।उन्होंने तीसरा कारण यह दिया कि पदयात्रा करने के लिए गलत समय चुना गया। कुमार स्वामी का कहना है कि यह बारिश का समय है, जब सैकड़ों गांव उजड़ गए, हजारों लोग बेघर हो गए तब इस तरह की पदयात्रा को कौन सही ठहराएगा।

बंगाल बीजेपी का नेतृत्व बदलने की उठी मांग

21 जुलाई को हुई उपचुनाव की समीक्षा बैठक में शुभेंदु अधिकारी ने भी ऐसी बात कह दी कि पार्टी को उनके बयान पर एक के बाद एक सफाई देनी पड़ी। फिर उन्हें भी फौरन पार्टी हाईकमान ने दिल्ली तलब कर लिया। शुभेंदु अक्सर तीखी बयानबाजी करते नजर आते हैं. ऐसा ही इस बैठक में भी हुआ और उन्होंने कह दिया, सबका साथ सबका विकास नहीं चाहिए. सिर्फ उसी का विकास जिसका साथ यहीं से उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चे को भंग करने का सुझाव भी दे दिया। बैठक में अल्पसंख्यक नेता भी मौजूद थे। सबका साथ सबका विकास। पार्टी का नारा रहा है और शुभेंदु अधिकारी का ये बयान पीएम नरेंद्र मोदी की घोषणा के खिलाफ था।

इसी बीच उपचुनाव में मिली हार के बाद पार्टी में प्रदेश नेतृत्व को बदलने की भी मांग उठने लगी. बंगाल के बड़े नेता सौमित्र खान ने मांग उठाते हुए हार की जवाबदेही तय करने की भी बात कही। हालांकि, शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पार्टी को 39 फीसदी वोट मिले जो बताता है कि बीजेपी मजबूत है।

कर्नाटक कांग्रेस ने गड़ाई नजर

भाजपा, कर्नाटक कांग्रेस पर घोटाले का आरोप लगा रही है। मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी की जमीन के सौदे में सिद्धारमैया की पत्नी पर आरोप लगे है। यही कारण है कि भाजपा तीन से 10 अगस्त के बीच पदयात्रा निकल रही है, लेकिन एचडी कुमारस्वामी की नाराजगी से न मांगे भी कांग्रेस को बड़ी मदद मिल गई है। कुमारस्वामी का कहना है कि भाजपा उनको और प्रीतम गौड़ा को साथ बैठना चाहती है। भाजपा नेता प्रीतम गौड़ा ने कुमारस्वामी पर प्रज्वल रेवन्ना सेक्स स्कैंडल को लेकर जमकर कीचड़ उछाले थे और कुमार स्वामी को इस बात का शक है कि प्रीतम ने ही पेन ड्राइव बांटकर प्रज्वल रेवन्ना के सेक्स कांड को उजागर किया। कुमारस्वामी का कहना है कि भाजपा उनको और प्रीतम गौड़ा को साथ बैठना चाहती है। भाजपा नेता प्रीतम गौड़ा ने कुमारस्वामी पर प्रज्वल रेवन्ना सेक्स स्कैंडल को लेकर जमकर कीचड़ उछाले थे और कुमार स्वामी को इस बात का शक है कि प्रीतम ने ही पेन ड्राइव बांटकर प्रज्वल रेवन्ना के सेक्स कांड को उजागर किया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नहीं चेते तो निश्चित है पूर्ण विनाश!

हिमाचल, उत्तराखंड में बादल फटने से सैकड़ों लोगों की जान चली गई। पहाड़ी क्षेत्रों में तो कहर प्राकृतिक पर्यावास के छेड़छाड़ की वजह से दिखाई दे रही है पर मैदानी क्षेत्रों में तो मानव निर्मित भवनों में हुई छेड़खानी ही इन आपदाओं के लिए पूरी तरह दोषी है। हालांकि मौसम वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन को भी इस आपदा का कारण मान रहे हैं।

पिछले चार-पांच दिनों में उत्तर से दक्षिण भारत तक बारिश की विनाश लीला जारी है। कुदरत के इस कहर ने सैकड़ों लोगों को असमय ही छीन लिया। केरल के वायनाड में सबसे ज्यादा तबाही मची वहां पर चार गांव भूस्खलन में दब गए। हिमाचल, उत्तराखंड में बादल फटने से सैकड़ों लोगों की जान चली गई। पहाड़ी क्षेत्रों में तो कहर प्राकृतिक पर्यावास के छेड़छाड़ की वजह से दिखाई दे रही है पर मैदानी क्षेत्रों में तो मानव निर्मित भवनों में हुई छेड़खानी ही इन आपदाओं के लिए पूरी तरह दोषी है। हालांकि मौसम वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन को भी इस आपदा का कारण मान रहे हैं। समय-समय पर भू व वनस्पति वैज्ञानिकों का कहना है पर्यावरण से अगर मनुष्य क्रूरता कम नहीं करेगा तो वह इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं का शिकार बनता रहेगा। वर्ष 2013, जून की केदारनाथ त्रासदी को 2004 की सुनामी के बाद की देश की सबसे बड़ी त्रासदी कहा जाता है।

केदारनाथ धाम व पूरी केदार घाटी के 15-16 जून, 2013 के भयंकर जल प्रलय में लगभग एक हजार स्थानीय लोगों के साथ करीब 6 हजार लोग मारे गये थे। वैज्ञानिकों ने इसे नार्दन फ्लैश फ्लड भी कहा था व जलवायु बदलाव की व्यापकता का प्रमाण माना था। आपदा से उबरने के लिये बड़े पैमाने पर काम भी हुए हैं। अब सुविधाएं इतनी जुटा ली गई हैं कि प्रतिदिन बीस-पच्चीस हजार यात्री वहां पहुंच रहे हैं। लेकिन चिंताजनक यह कि सीमित क्षेत्र में हजारों मानव कृत्यों से हीट आइलैंड्स बनने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। खुद यात्री कहते हैं कि तेज धूप होती है तो झेलनी मुश्किल होती है। पूरे हिंदुकुश हिमालय पर ही जलवायु बदलाव के खतरे बढ़े हैं। हिमालयी ग्लेशियरों की पिघलने की दर दुगुनी हो गई है व पहाड़ बर्फविहीन हो रहे हैं। अगर केदारनाथ के आसपास ऐसा होता है तो हम इसे वैश्विक कारणों से होना ही नहीं कह सकते बल्कि उनके साथ यहां स्थानीय आघात भी जुड़ रहे हैं। फरवरी, 2021 में नीति घाटी में ग्लेशियर टूटने से धौली गंगा में भारी बाढ़ आई थी। अभी जो 2024 में हो रहा वह भी इन्ही वजहो से हो रहा है। इसके उलट भूस्खलन, जलस्रोत सूखने व केदारनाथ वन सेंक्चुरी जैसे जैव विविधता के क्षेत्रों में वनाग्नियों के जोखिम भी बढ़े। पर्यावरणीय, पारिस्थितिकीय पुनरुत्थान के बजाय इनमें गिरावट ही आई। हजारों की भीड़ से जलापूर्ति व कचरे की समस्याएं बढ़ी हैं। पारिस्थितिकीय हानि इतनी होने लगी कि पगडंडी मार्गों पर हिमस्खलन जोखिम हर साल बढ़ रहे हैं। ग्लेशियर टूटने की ही तरह ग्लेशियर फिसल कर बस्तियों, मार्गों या ट्रैकिंग राहों में आकर जान-माल का नुकसान बढ़ा है। अब भी नहीं चेते तो पूर्ण विनाश को कोई नहीं रोक सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सारे पहाड़ी भारत में भूस्खलन का खतरा

जयसिंह रावत

इसरो द्वारा गत वर्ष तैयार भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील देश के 147 जिलों के मानचित्र में हिमालयी राज्यों में उत्तराखण्ड को सर्वाधिक और दक्षिण में केरल को दूसरे नम्बर पर संवेदनशील दर्शाया गया था। मानचित्र में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग और टिहरी समेत सभी 13 जिले भूस्खलन के लिये संवेदनशील बताये गये थे। उसी मानचित्र में केरल के सभी 14 जिलों को भी संवेदनशील माना गया था, जिनमें केरल के थ्रिसूर को तीसरे, पालाक्वाड पांचवें, मालपापुरम सातवें, कोजिकोडा दसवें और वायनाड को 13वें नम्बर पर रखा गया था। वैज्ञानिक अध्ययन का नतीजा पिछले साल हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में देख चुके थे। अब इसरो की भविष्यवाणी केरल में 30 जुलाई की प्रात: सामने आ गयी।

अगर वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और विशेषज्ञ संस्थानों की चेतावनियों की अनदेखी करते रहेंगे तो इसी तरह के भयावह हादसों का इंतजार करना पड़ेगा। पश्चिमी घाट और हिमालयी राज्यों में भूस्खलन का जोखिम अवश्य ही प्राकृतिक है जिसे हम दूर नहीं कर सकते लेकिन यह जोखिम मानवीय कारकों के कारण काफी बढ़ गया है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग की 2001 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उस समय केरल में 11,772 सघन वन और 3,788 खुले वन थे। नवीनतम वर्ष 2021 की रिपोर्ट में राज्य में 1,944 वर्ग किमी अति सघन, 9,472 वर्ग किमी सामान्य सघन और 9,837 खुले वन दिखाये गये हैं। नवीनतम रिपोर्ट के सघन वनों की दोनों श्रेणियों को जोड़ा जाये तो वह 11,416 वर्ग किमी बनता है। जबकि 2001 में राज्य में कुल 11,772 वर्ग किमी सघन वन थे। इस तरह राज्य में दो दशकों में 356 वर्ग किमी सघन वन गायब हो गये। वर्ष 2019 की रिपोर्ट की तुलना में भी 2 साल के अन्दर ही केरल में 36 वर्ग किमी सघन वन घट गये और खुले वनों का आकार 136 वर्ग किमी बढ़ गया। सघन वन धरती की एक प्राकृतिक छतरी होते हैं जो कि बारिश की तेज बूंदों को तो थामती ही है, साथ ही उन वृक्षों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं जिससे भूस्खलन रुकता है।

भूस्खलन पहाड़ी क्षेत्रों में ही होता है, इसीलिये हिमालयी राज्यों के साथ ही पश्चिमी घाट से संबंधित कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, गोवा और गुजरात के पहाड़ी क्षेत्रों को भूस्खलन के लिये अधिक संवेदनशील माना गया है। केरल के 14 में से 10 जिले पहाड़ी हैं जहां

16,959 वर्ग किमी क्षेत्र में वन हैं। इन वनों में 15,49 वर्ग किमी अति सघन, 7,212 वर्ग किमी सामान्य सघन और 7,212 वर्ग किमी खुले वन हैं। वनों का ह्रास इन्हीं पहाड़ी जिलों में हो रहा है। वायनाड का नवीनतम भूस्खलन केरल की कोई नयी त्रासदी नहीं है। यहां भूस्खलनों के लिये प्राकृतिक कारण तो अवश्य हैं मगर इसके लिये मानवीय कारण भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। सन् 2001 में कोट्टायम जिले में भी एक बड़े भूस्खलन में कई लोग मारे गए और व्यापक क्षति हुई थी। मानसून के मौसम में, इडुक्की जिले और अन्य क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण जान-माल के नुकसान के उदाहरण मौजूद हैं। इसी तरह 2019 में भी विभिन्न जिलों में भीषण भूस्खलन हुआ। उस समय वायनाड में पुथुमाला और मलप्पुरम में कवलप्पारा जैसे इलाके गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे। अगस्त, 2020 में इडुक्की जिले के पेट्टीमुडी इलाके में एक भयावह भूस्खलन हुआ, जिसमें कम से कम 66 लोग मारे गए। केरल में मानसून के मौसम में भारी और तीव्र वर्षा होती है जिससे मिट्टी की धारण क्षमता कमजोर होने से भूस्खलन होता है। कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय राडार अनुसंधान केन्द्र के एक अध्ययन के अनुसार अरब सागर के गर्म होने से घने बादल तंत्र बन रहे हैं, जिससे केरल में कम समय में ही अत्यधिक भारी वर्षा हो रही है और भूस्खलन की संभावना बढ़ रही है। अध्ययन में कहा गया है कि वर्षा की तीव्रता में वृद्धि मानसून के मौसम में पूर्वी केरल में पश्चिमी घाट के उच्च से मध्य-भूमि ढलानों में भूस्खलन की संभावनाएं बढ़ रही हैं।

वनों को कृषि और शहरी क्षेत्रों में बदलने से मिट्टी को स्थिर करने में मदद करने वाला प्राकृतिक वनस्पति आवरण कम हो रहा है। केरल के पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर जनसंख्या के केन्द्रीकरण, तेजी से शहरीकरण और बुनियादी ढांचे का विकास होने से प्राकृतिक भूभाग और जल निकासी पैटर्न बिगड़ रहा है, जिससे भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार प्राकृतिक जल निकासी पैटर्न में परिवर्तन से जल संचय और छिद्रों में पानी का दबाव बढ़ रहा है, जिससे ढलान अस्थिर हो रहे हैं। भारत सरकार द्वारा भूस्खलन पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल के नेतृत्व में 'गठित पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल' ने 2011 में केंद्र को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें सिफारिश की गई थी कि पूरी पहाड़ी शृंखला को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया जाए।

अग्निपथ योजना में सुधार की काफी गुंजाइश

मनोज जोशी

पिछले शुक्रवार द्रास में आयोजित कारगिल विजय दिवस समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर अग्निपथ मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा इस योजना का उद्देश्य सेना को युवा बनाए रखना है एक ऐसी सेना जो युद्ध के लिए निरंतर चुस्त रहे। उन्होंने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील मुद्दे को राजनीति का विषय बना दिया है। उन्होंने इससे भी कड़े शब्द बरते, लेकिन सवाल है कि यह सब कहने के लिए क्या यह अवसर उचित था? आदर्श रूप में, इस पवित्र दिन को मनाने के लिए मंच पर विपक्ष और प्रधानमंत्री, दोनों को एक साथ होना चाहिए था। परंतु यह अपेक्षा शायद कुछ ज्यादा ही हो गई। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 10 सालों में सेना के स्वरूप में काफी सुधार किया गया है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति, सैन्य मामलों के लिए अलग विभाग का गठन, सुधरे रूप में सैन्य खरीद नीति, रक्षा उद्योग को स्वदेशी तकनीक विकसित करने की बाध्यता, रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की कंपनियों की भागीदारी को अनुमति और इन्हें रक्षा अनुसंधान एवं विकास राशि का 25 फीसदी मुहैया करवाना जैसे अनेक उपाय किए गए हैं। लेकिन सेना को लेकर अग्निपथ योजना अपने आप में सबसे अधिक महत्वाकांक्षी है। इस योजना के तहत एक युवा की सेना में भर्ती 17-21 साल के बीच होनी है, उसका सेवाकाल चार साल का होगा और सेवामुक्ति उपरांत एकमुश्त रकम मिलनी है। चार साल का कार्यकाल पूरा करने वाले अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत को सेना में आगे 15 साल या अधिक कार्यकाल की पेशकश होगी। लेकिन बाकी बचे 75 फीसदी के लिए विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी का विकल्प हो सकता है, जहां भर्ती में उन्हें तरजीह मिलेगी।

इस योजना पर विवाद उस वक्त उठ खड़ा हुआ जब पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवाणे ने विमोचन के लिए लंबित अपनी पुस्तक में कहा कि यह योजना नौसेना और वायुसेना के लिए 'बिन बादलों की बिजली गिरना' बनकर आई और खुद उन्होंने जो प्रारूप सरकार को सौंपा था, वह केवल थल सेना के लिए था और उसमें भी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फौज में आगे बने रहना था, केवल शेष 25 फीसदी को सेवामुक्त करना था। परंतु रक्षा मंत्रालय ने इसको एकदम उलटा कर दिया, यानी 75 प्रतिशत अग्निवीरों को कार्यमुक्ति और 25 फीसदी को सेना में बनाए रखने वाला प्रावधान बना डाला। राजनीति की वजह से, आरंभ से ही अग्निपथ योजना को लेकर विवाद होने लगे थे और दोनों पक्षों ने इस पर खेल किया, मुख्य सवाल जो अक्सर किया जाता है: हम अग्निवीरों के लिए और अधिक क्या कर सकते हैं? फिर हमारे पास उस अन्य प्रश्न का भी ठोस उत्तर नहीं है कि अग्निवीर सेना के लिए क्या और कितने उपयोगी होंगे? इस बाबत मुख्य दलील यह दी जाती है कि अग्निपथ योजना से सेना के जवान की औसत आयु बनिस्बत युवा बनी रहेगी।

सरकार की ओर से दिए शपथपत्र में दावा किया गया है कि अफसर पद से नीचे, भारतीय सैनिक की औसत आयु विश्व में सबसे अधिक, 32 साल है, जबकि वैश्विक औसत 26 वर्ष है। लेकिन दशकों से सेना में भर्ती की उम्र सदा 16.5 से 21 वर्ष के बीच रही है। कुल 75 प्रतिशत अग्निवीरों की सेवानिवृत्ति और प्रत्येक भर्ती चक्र में नई उम्र के युवाओं की आमद बनाने से योजनाकारों को उम्मीद है कि इससे फौज की औसत आयु कम हो पाएगी। किंतु जैसा कि पहले कहा, बदले में प्राप्ति क्या होगी? भारतीय सेना में भर्ती की कुछ हकीकतें हैं। देखा गया है कि जो युवा जल्दी भर्ती होते हैं, अक्सर उनका भार और पौष्टिकता स्तर उनकी पृष्ठभूमि में विविधता के हिसाब से कम होता है। पहले नौ महीने का प्राथमिक प्रशिक्षण चरण हुआ करता था, उसमें शुरुआत नए सिरे से करनी पड़ती थी, जिसमें यह वक्त उसे शारीरिक रूप से तगड़ा करने और अनुशासन में ढालने में निकल जाता था। इसके बाद शुरू होता व्यावसायिक प्रशिक्षण, चाहे उसे अग्रिम दस्ते का फौजी बनाना हो या अधिक तकनीकी हुनरयुक्त जवान, मसलन, टैंक, तोप, वायु रक्षा प्रणाली चलाने वाला। इनमें मामूली योग्यता पाने के लिए भी एक और साल खपता है। जबकि अब महज छह महीने के प्रशिक्षण के बाद अग्निवीर को सेना में भर्ती किया जा रहा है। रंगरूट की ग्रामीण पृष्ठभूमि, शिक्षा का स्तर और किसी उम्र में भर्ती हुई, इनके परिप्रेक्ष्य में लगता नहीं कि अग्निवीर कोई बहुत बढ़िया कौशल विकसित कर पाएंगे। जो देश हम से आगे हैं, वहां नया रंगरूट पहले से किसी न किसी कौशल से युक्त होता है जैसे कि वाहन चलाने का हुनर, लेकिन भारत में इसके लिए भी तीन महीने तक लग सकते हैं।

पूर्व एडमिरल अरुण प्रकाश का कहना है, कदाचित अग्निवीर थल सेना के लिए उपयोगी हों, जहां आक्रमण में अग्रिम दस्ते का फौजी बनने के लिए अधिक तकनीकी योग्यता की इतनी जरूरत नहीं है, लेकिन वायु सेना और नौसेना के लिए यह बड़ी समस्या बन जाएगी, जहां किसी नए भर्ती युवा को समुचित कार्यकारी अनुभव पाने के लिए कम से कम 5-6 साल की जरूरत पड़ती है, उसके बाद ही उसे किसी अभियान का हिस्सा या खतरनाक अस्त्रों का रख-रखाव, जटिल मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण चलाने का काम सौंपा जा सकता है। सरकार का कहना है कि इस योजना का मनोरथ केवल फौज की औसत आयु कम करना है न कि कोई अन्य उद्देश्य।

लिवर के लिए फायदेमंद

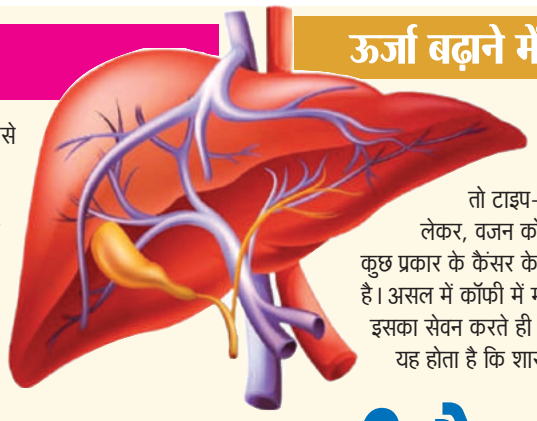

अध्ययनों से पता चलता है कि कॉफी, लिवर को स्वस्थ बनाने और इससे संबंधित बीमारियों से बचाने में मदद कर सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन दो-तीन कप कॉफी पीने से लिवर की बीमारी वाले लोगों में लिवर स्केयर्स और लिवर कैंसर दोनों का खतरा कम हो जाता है। इसके अलावा कॉफी में मौजूद पोषक तत्व और एंटीऑक्सीडेंट्स क्रोनिक लिवर रोगियों में असमय मृत्यु के खतरे को कम करने में भी फायदेमंद है। पेट को स्वस्थ रखने और इससे संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए कॉफी पीना बहुत फायदेमंद है।

ऊर्जा बढ़ाने में सहायक

आमतौर पर कॉफी को उत्तेजक के रूप में जाना जाता है, कॉफी आपके ऊर्जा को बढ़ाने और तरोताजा महसूस करने में मदद करती है। हालांकि इसके लाभ यहीं तक सीमित नहीं हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि नियमित तौर पर अगर इसका सेवन किया जाए तो टाइप-2 डायबिटीज और डिप्रेशन के जोखिमों को कम करने से लेकर, वजन को नियंत्रित रखने, कई प्रकार की बीमारियों से बचाने और कुछ प्रकार के कैंसर के खतरे को कम करने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है। असल में कॉफी में मौजूद कैफीन ही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। तभी तो इसका सेवन करते ही तन-मन में एनर्जी हिलोरे मारने लगती है। उसका लाभ यह होता है कि शारीरिक व मानसिक गतिविधियां बेहतर हो जाती हैं। आप कोई भी कार्य करेंगे उनमें लगन बढ़ जाएगी।

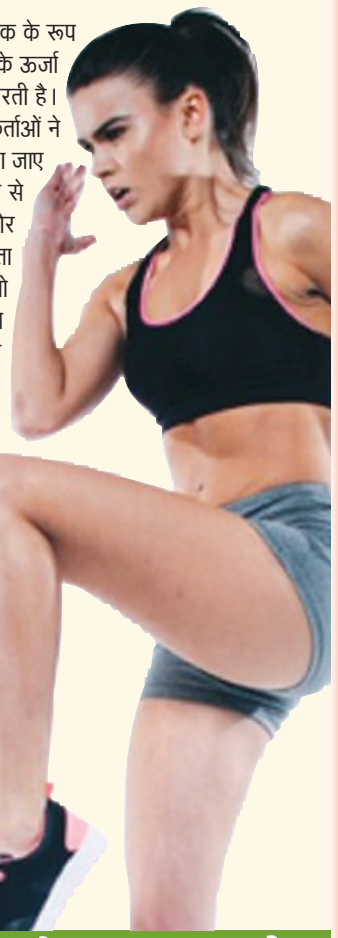

पेट के लिए बहुत लाभकारी है कॉफी

चाय या कॉफी के शौकीन निश्चित तौर पर आप भी होंगे। पर ये फायदेमंद है या नुकसानदायक, लंबे समय से बड़ा सवाल रहा है। इस संबंध में किए गए अध्ययनों में बताया गया है कि अगर इनका सीमित मात्रा में सेवन किया जाए तो शरीर को कई प्रकार के लाभ हो सकते हैं। विशेषतौर पर कॉफी पीने को सेहत के लिए बहुत लाभकारी पाया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार नियमित रूप से अगर आप दो-तीन कप कॉफी पीते हैं तो इससे लिवर की बीमारियों का तो खतरा कम होता ही है, साथ ही इसे मस्तिष्क से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों से बचाने वाला भी पाया गया है। कॉफी में कई प्रकार के प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जिनसे गंभीर क्रोनिक बीमारियों के जोखिम से भी बचाव किया जा सकता है।

अल्जाइमर रोग का कम हो सकता है जोखिम

अध्ययनों से पता चला है कि कॉफी पीने वाली महिलाओं में कोरोनरी हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, मधुमेह और किडनी की बीमारियों के कारण मरने की आशंका कम होती है। कॉफी, अल्जाइमर रोग और पार्किंसंस रोग सहित कई अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों से बचाने में भी मदद कर सकती है। 13 अध्ययनों की एक समीक्षा में पाया गया कि जो लोग नियमित रूप से कैफीन का संयमित मात्रा में सेवन करते थे, उनमें पार्किंसंस रोग विकसित होने का जोखिम काफी कम था।

डायबिटीज के खतरे को कम करता है

कुछ शोध बताते हैं कि नियमित रूप से कॉफी का सेवन आपमें टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में भी मददगार है। 30 अध्ययनों की एक समीक्षा में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रतिदिन 2 कप कॉफी पीने से इस प्रकार के मधुमेह होने का खतरा 6 प्रतिशत तक कम हो सकता है। कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स को इंसुलिन संवेदनशीलता को ठीक रखने में भी फायदेमंद पाया गया है। हालांकि ध्यान देने वाली बात यह है कि अधिक मात्रा में इसका सेवन शरीर के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक भी हो सकता है। इसलिए कॉफी का सेवन उचित मात्रा में ही करें।

हंसना मना है

गुरु जी- बस इरादे बुलंद होने चाहिए, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है। लड़का- मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं! गुरु जी- कैसे...? लड़का- हैंडपंप से!

लड़की- मेरे पापा ने मुझे नया मोबाइल खरीद कर दिया, लड़का- अरे वाह, कौन सी कंपनी का? लड़की- लावारिस, लड़का- अरे अक्ल की अंधी वो लावारिस नहीं LAVA IRIS है।

दामाद 14 दिनों से ससुराल में था, सास- दामाद जी, कब वापस जा रहे हो? दामाद- क्यों? सास- बहुत दिन हो गए, दामाद- आपकी बेटी तो दस महीने मेरे यहां रह रही है, मैंने तो जाने को नहीं बोला, सास- दामाद जी, वो तो आपके यहां ब्याही गई है न। दामाद- और मैं क्या यहां अपहरण करके लाया गया हूं?

एक बार पति-पत्नी घूमने जा रहे थे... रास्ते में गधा मिला, पत्नी को मजाक सूझी... पत्नी - आपके रिश्तेदार हैं, नमस्ते करो, पति भी कम नहीं था, बोला, ससुर जी नमस्ते।

टीचर- बताओ तुम्हारा होमवर्क कहां है? पप्पू- मैडम फेसबुक पर चेक करिए, मैंने स्क्रीनशॉट अपलोड कर दिए हैं और आपको टैग भी कर दिया है!

कहानी | मन का दिव्य दर्पण

गुरुकुल के आचार्य अपने शिष्य की सेवा से बहुत प्रभावित हुए। विद्या पूरी होने के बाद जब शिष्य विदा होने लगा तो गुरू ने उसे एक दर्पण दिया। उस दिव्य दर्पण में किसी भी व्यक्ति के मन के भाव को दर्शाने की क्षमता थी। शिष्य ने सोचा कि चलने से पहले क्यों न दर्पण की क्षमता की जांच कर ली जाए। उसने दर्पण का मुंह गुरुजी के सामने कर दिया। गुरुजी के हृदय में मोह, अहंकार, क्रोध आदि दुर्गुण स्पष्ट नजर आ रहे हैं। ये देख शिष्य वह बहुत दु:खी हुआ। दुःखी मन से वह दर्पण लेकर गुरुकुल से रवाना तो हो गया लेकिन उसके हाथ में दूसरों को परखने का यंत्र आ गया था। इसलिए उसे जो मिलता उसकी परीक्षा ले लेता। सब के हृदय में कोई न कोई दुर्गुण अवश्य दिखाई दिया। वह सोचता जा रहा था कि संसार में सब इतने बुरे क्यों हो गए है। उसके पिता की तो समाज में बड़ी प्रतिष्ठा है, उसकी माता को तो लोग साक्षात देवतुल्य ही कहते है। उसने उस दर्पण से माता-पिता की भी परीक्षा कर ली। उनके हृदय में भी कोई न कोई दुर्गुण देखा। उसने दर्पण उठाया और चल दिया गुरुकुल की ओर। गुरुजी उसके मन की बेचैनी देखकर सारी बात का अंदाजा लगा चुके थे। चेले ने गुरुजी से विनम्रतापूर्वक कहा- गुरुदेव, मैंने आपके दिए दर्पण की मदद से देखा कि सबके दिलों में तरह-तरह के दोष है। कोई भी दोषरहित सज्जन मुझे अभी तक क्यों नहीं दिखा? तब गुरुजी हंसे और उन्होंने दर्पण का रुख शिष्य की ओर कर दिया। शिष्य दंग रह गया। उसके मन के प्रत्येक कोने में राग-द्वेष, अहंकार, क्रोध जैसे दुर्गुण भरे पड़े थे। ऐसा कोई कोना ही न था जो निर्मल हो। गुरुजी बोले- बेटा यह दर्पण मैंने तुम्हें अपने दुर्गुण देखकर जीवन में सुधार लाने के लिए दिया था न कि दूसरों के दुर्गुण खोजने के लिए। जितना समय तुमने दूसरों के दुर्गुण देखने में लगाया उतना समय यदि तुमने स्वयं को सुधारने में लगाया होता तो अब तक तुम्हारा व्यक्तित्व बदल चुका होता। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि वह दूसरों के दुर्गुण जानने में ज्यादा रुचि रखता है। स्वयं को सुधारने के बारे में नहीं सोचता। इस दर्पण की यही सीख है जो तुम नहीं समझ सके यदि हम स्वयं में थोड़ा-थोड़ा करके सुधार करने लगें तो हमारा व्यक्तित्व परिवर्तित हो जाएगा जरा शांति से सोचिएगा कि आप क्या करते जा रहे है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

वृषभ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी।

सिंह कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

मकर आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

कुम्भ पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

सनी देओल की बॉर्डर-2 में हुई दिलजीत दोसांझ की इंट्री

पिछले एक साल से दिलजीत दोसांझ अपनी गायकी और अभिनय की वजह से हर जगह तहलका मचा रहे हैं। पंजाबी गायक-अभिनेता अंबानी और फिल्म उद्योग सहित कई लोगों की पहली पसंद बन गए हैं। अभिनेता ने हाल ही में इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में एक हिट फिल्म भी दी, जिसके लिए उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। अब खबर है कि दिलजीत ने बॉर्डर 2 के लिए सनी देओल के साथ हाथ मिलाया है।

अपनी फिल्म गदर के ब्लॉकबस्टर सीक्वल के बाद सनी देओल ने गदर 2 के साथ बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की है। अभिनेता अब अपनी दूसरी हिट फिल्म बॉर्डर के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में आई खबरों में दावा किया गया है कि दिलजीत दोसांझ देओल के साथ स्क्रीन साझा कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि दिलजीत फिल्म में एक असल जिंदगी के सैनिक की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, इस बारे में अभी और जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दिलजीत दोसांझ बॉर्डर 2 में सनी देओल के साथ शामिल हो गए हैं। उनके चरित्र का विवरण फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन दिलजीत दोसांझ एक असली सेना अधिकारी की भूमिका निभाने के अवसर को लेकर उत्साहित हैं और जल्द ही पूरी तरह से भूमिका निभाने के लिए अपनी तैयारी शुरू कर देंगे।

रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि आयुष्मान खुराना को भी फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया गया है। हालांकि, अभिनेता से अभी भी बातचीत चल रही है और अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के अन्य कलाकारों में एमी विर्क और सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी भी शामिल हैं, जिन्होंने साल 2021 में तड़प से डेब्यू किया था। हालांकि, फिल्म के बारे में किसी कलाकार को लेकर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

कई अटकलों के बाद सनी देओल ने आखिरकार इस साल जून में बॉर्डर 2 की घोषणा की। उन्होंने बॉर्डर की 27वीं सालगिरह पर इसकी घोषणा की। इसकी घोषणा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक फौजी अपने 27 साल पुराने वादे को पूरा करने के लिए आ रहा है फिर से। भारत की सबसे बड़ी वॉर फिल्म बॉर्डर 2।

बॉलीवुड | मन की बात

मेकर्स को मेरे अंदर मां-दादी से परे कोई रोल्स नहीं दिखे : फरीदा

फरीदा जलाल 75 साल की होने के बावजूद फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिव नजर आती हैं। सलमान खान और शाहरुख खान संग इन्होंने बहुत काम किया है। पर वो एक चीज से नाराज हैं, वो ये कि फरीदा जलाल का कहना है कि उन्हें करियर में कुछ खास रोल्स ऑफर नहीं हुए। अपनी वर्सेटैलिटी को वो दिखा सकें, ऐसा नहीं हुआ। इस बात से वो थोड़ी खफा भी हैं। हिंदी सिनेमा में जब फरीदा जलाल मां और मदर फिगर के रोल्स बड़े पर्दे पर अदा करती नजर आ रही थीं तो वो खुद को टाइपकास्ट समझती थीं। उन्हें लगता था कि मेल एक्टर्स को उनसे ज्यादा बेहतर और अच्छे रोल्स ऑफर हो रहे। लेकिन उनको नहीं। उनके पास अपनी एक्टिंग स्किल्स दिखाने का मौका ही नहीं आया, जहां वो खुद को साबित भी कर पाती कि वो एक मां के रोल के लिए नहीं बनी हैं। बल्कि और भी रोल्स वो अच्छी तरह करना जानती हैं। टाइपकास्ट होने की कम्प्लेन करते हुए फरीदा जलाल ने कहा- मैं एक चैलेंजिंग रोल ऑफर होने की राह देखती रही, क्योंकि मैं अपना टैलेंट शोकेस करना चाहती थी। अपनी वर्सेटैलिटी को दिखाना चाहती थी। हर बार मुझे मां का रोल-दादी का रोल ही ऑफ हुआ। मैं मेकर्स से इसलिए नाराज हूं, क्योंकि उन्होंने मेरे अंदर इन रोल्स से परे कोई टैलेंट नहीं देखा। और न ही मुझे इस काबिल समझा। फरीदा जलाल पिछले 50 सालों से फिल्म इंडस्ट्री का चेहरा हैं। इन्होंने अपने करियर में 200 से ज्यादा फिल्में की हैं। साल 1967 में फरीदा ने फिल्म तकदीर से अपने करियर की शुरुआत की थी। फरीदा का कहना है कि मेल एक्टर्स को उस जमाने में कई तरह के रोल्स ऑफर होते थे। अनुपम खेर तक ने विलेन का रोल अदा किया हुआ है। वो सिर्फ दादा या पिता के रोल में नहीं रहे, बल्कि कई तरह के रोल्स उन्हें ऑफर हुए। पर मुझे सिर्फ एक ही स्लॉट में डाला गया। बता दें कि कुछ समय पहले फरीदा जलाल को तवायफ के रोल में संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में देखा गया था।

बेटे की सफलता पर भावुक हुए आमिर खान

आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने हाल ही में, फिल्म महाराज के साथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की। हालांकि फिल्म बिना किसी प्रचार के रिलीज हुई, लेकिन टीम ने फिल्म के रिलीज होने के बाद इसके बारे में बात करना शुरू कर दिया। फिल्म के लीड एक्टर जुनैद खान के पिता आमिर खान ने अब कहा है कि वह जुनैद के डेब्यू को लेकर बहुत तनाव में थे और कहा कि जुनैद ने उनसे कभी कोई मदद नहीं ली।

आमिर ने बताया, जब जुनैद की फिल्म महाराज रिलीज हुई तो मैं बहुत तनाव में था कि लोगों को उसका काम पसंद आएगा या नहीं। जुनैद ने अपने लिए वाकई बहुत मेहनत की है और उन्होंने कभी भी मुझसे किसी भी तरह की मदद नहीं ली। इसलिए मुझे बहुत गर्व और खुशी है कि उन्होंने अपनी शर्तों पर, अपने तरीके से इसे बनाया और आप जानते हैं और मैं यह देख सकता हूं।

बॉलीवुड | मसाला

इससे पहले जुनैद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि आमिर उनके करियर विकल्पों का समर्थन करते हैं और बताया कि उनके पिता हस्तक्षेप नहीं करते हैं और अपने बच्चों पर अपनी राय नहीं थोपते हैं। सिद्धार्थ कन्नन के साथ पहले की बातचीत में, जुनैद ने कहा कि उनके पिता के पास फिल्मों से संबंधित हर चीज के लिए सबसे अच्छा समाधान है।

जुनैद ने कहा था कि आमिर जिस तरह से खुद फैसले लेते हैं, उससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। सफलताएं उन्हें प्रभावित करती हैं, लेकिन वह इसे समझने के लिए समय लेते हैं और फिर इससे सीखने के लिए आगे बढ़ते हैं। वह समझेंगे कि क्या गलत हुआ और वहीं से आगे बढ़ेंगे। इसलिए यही उनकी प्रक्रिया है, जो शायद इससे आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका है। मैं भी उनसे बहुत कुछ सीख रहा हूं।

वो कौन जीव, जिसका सिर काटकर अलग कर दिया जाए, तब भी रहता है जिंदा

आज हम आपको सामान्य ज्ञान से जुड़ा एक ऐसा प्रश्न पूछने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर हैरानी होगी। चूकि हर सरकारी परीक्षा में इस तरह सामान्य ज्ञान के सवाल पूछे जाते हैं, ऐसे में यह सभी स्टूडेंट्स के लिए जरूरी है। वो स्टूडेंट्स, जो सामान्य ज्ञान की तैयारी कर परीक्षा में अच्छा नंबर अर्जित करना चाहते हैं। उन्हें भी इसके बारे में जानना चाहिए। बता दें कि दुनिया में जितने भी जीव मौजूद हैं, उनके प्राण कंठ में ही बसते हैं। अगर उनका गला कट जाए, तो उनका जिंदा बच पाना मुश्किल है। इंसान से लेकर खतरनाक से खतरनाक जानवर भी सिर कटने के बाद जीवित नहीं रह पाता। लेकिन एक जीव ऐसा भी है, जिसका सिर उसके धड़ से अलग होने के बाद भी वो मरता नहीं है। यकीन मानिए, इस सवाल को जानने के बाद आप भी सिर खुजाने लगेंगे। सोचेंगे कि वाकई में ऐसा होता है? चूकि इस तरह के सवाल सरकारी नौकरियों की तैयारी में लगे हर छात्र के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। यहां तक कि ऐसे सवाल कई बार परीक्षा के बाद होने वाले इंटरव्यू में भी पूछा जा सकता है। ऐसे में आपको बता दें कि धरती पर केवल एक ही जीव है, जो अपने सिर के बिना एक सप्ताह तक जीवित रह सकता। यहां तक कि पानी के अंदर भी इसे कोई दिक्कत नहीं होगी। कई दिनों तक पानी में भी ये जिंदा रह सकता है। यह जीव अक्सर हमारे घरों में भी दिख जाता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि ऐसा इस जीव की शारीरिक संरचना के कारण होता है। सुनने में ये बात अजीब लगेगी, लेकिन ये बिल्कुल सच है। हम जिस जीव की बात कर रहे हैं, वो आपके रसोई घर से लेकर ऑफिस तक में नजर आ जाते हैं। कई लोग उन्हें देखकर डर से चिल्ला उठते हैं। लेकिन वो अपना सिर गंवाने के बाद भी ज़िदा रह सकता है और शायद उसके इस रूप को देखकर आप और भी डर जाएं। हम बात कर रहे हैं कॉकरोच की। दरअसल, कॉकरोच को जिंदा रहने के लिए नाक से सांस लेने की जरूरत नहीं होती है, बल्कि कॉकरोच अपने शरीर में मौजूद छोटे-छोटे छीद्रों से सांस लेता है। यानी कि इस जीव के शरीर में ओपन सर्कुलेटरी सिस्टम होता है। ऐसे में कॉकरोच बिना सिर के सांस तो ले सकता है, लेकिन जिंदा रहने के लिए आवश्यक चीजें बिना सिर के उसके शरीर में नहीं जा सकती हैं। ऐसे में समय बीतने के साथ-साथ उसकी भूख और प्यास बढ़ती जाती है। इस तरह से लगभग 1 सप्ताह बाद उसकी मौत हो जाती है।

अजब-गजब | नए जोड़े इस टनल पर करवाते हैं फोटोशूट

प्यार करने वालों की तकदीर बदलती है टनल ऑफ लव

टनल या सुरंग का नाम सुन कर अगर आपके में रोमांच पैदा होता है, तो यकीनन आप ट्रेन की सुरंग के बारे में सोच रहे होंगे। पर क्या आप जानते हैं कि दुनिया में टनल ऑफ लव भी है। वैसे तो यह असल सुरंग नहीं हैं, लेकिन ट्रेन की टनल जरूर है। यह सुरंग घने पेड़ों के अंदर से सुरंग के आकार के रास्ते से गुजरती है। यह यूक्रेन के रिले इलाके में क्लेवन शहर और ओरज़वि गांव के बीच स्थित है। इसके प्रेम की सुरंग कहने की कहानी भी अचानक ही नहीं बनी है।

यह शानदार सुंदरता मुख्य रूप से दुनिया भर के जोड़ों के लिए एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बन गई है। किंवदंती है कि सुरंग खोजे जाने से पहले सदियों तक अस्तित्व में थी, और एक समय में यह कैसल क्लेवन से भागने वाले प्रेमियों के लिए एक आश्रय स्थल था। एक अन्य दिलचस्प संस्करण के अनुसार, एक युवा पोलिश इंजीनियर जो क्लेवन की एक लड़की से प्यार करता था, उसने ओरज़वि, जहाँ वह रहता था, से अपनी प्रेमिका तक सड़क को छोटा करने के लिए सीधे जंगल में एक रेलमार्ग बनाया। एक अधिक पारंपरिक संस्करण में कथित तौर पर सुरंग की उत्पत्ति को शीत युद्ध के तनाव और गोपनीयता से जोड़ा गया है। सोवियत काल के दौरान सैन्य उद्देश्यों के लिए रेलवे का निर्माण किया गया था। ऐसा माना जाता है कि यूक्रेनी सेना ने सैन्य हार्डवेयर के परिवहन को छिपाने के लिए जानबूझकर ट्रैक के किनारे पेड़ लगाए थे। समय के साथ, सेना चली गई, और प्रकृति ने सुरंग को एक

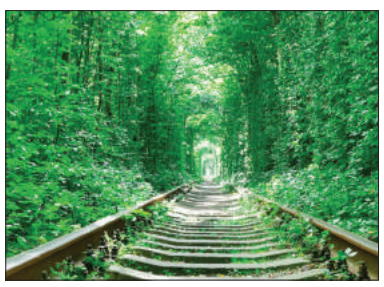

वास्तविक सुंदरता, एक अनूठी धनुषाकार संरचना में बदल दिया और जब ओर ज़वि में लकड़ी के कारखाने से एक मालगाड़ी हर दिन ट्रैक पर चलने लगी और पेड़ों और झाड़ियों की शाखाओं से टकराने लगी, तो इसका आकार एकदम सही हो गया।

आपको जानकर हैरानी होगी कि 2011 में इंटरनेट पर लोकप्रिय होने से पहले तक टनल ऑफ लव के बारे में आम जनता को करीब करीब पता ही नहीं था। क्लेवन के बाहरी इलाके में झाड़ियों में भटक रहे पर्यटकों के एक समूह ने अचानक खुद को पेड़ों के बीच छिपे रेलवे ट्रैक पर पाया। उन्होंने एक तस्वीर ली और इसे फेसबुक पर शेयर किया। इस घटना के बाद, पत्रकार और फोटोग्राफर अमोस चैपल ने इस जगह का दौरा किया और इस आकर्षक सुरंग के बारे में अधिक जानकारी शेयर की। आज यह टनल ऑफ के तौर पर पूरी दुनिया में मशहूर है। स्थानीय लोगों की रोमांटिक किंवदंतियों के अलावा, इस मनमोहक सुरंग में एक अनोखी आभा है, जो एक ऐसी जगह का माहौल देती है जहां सपने सच होते हैं और दिल एक हो जाते हैं। इस आभा को एक हरे रंग के मेहराब द्वारा दर्शाया गया है, और दो रेल दो जीवन के रास्तों का प्रतिनिधित्व करती हैं। सुरंग और इसकी खासियतों के बारे में कई मान्यताएं हैं। जोड़े मानते हैं कि सुरंग में एक किस उनके प्यार को मजबूत करेगा, और अगर वे रेल पर खड़े होकर गले मिलते हैं, तो वे कभी अलग नहीं होंगे। सुरंग नवविवाहितों के बीच लोकप्रिय है जो यहां शादी की तस्वीरें लेना पसंद करते हैं और यहां तक कि अपनी कोमल और भावुक भावनाओं के प्रतीक के रूप में फूल भी लगाते हैं। यह आकर्षक प्राकृतिक ट्रेन सुरंग सिंगल-ट्रैक रेलवे लाइन के दोनों ओर पेड़ों द्वारा बनाई गई हरी-भरी वनस्पतियों के मेहराबों से घिरी हुई है, जो इसे यूक्रेन के सबसे लोकप्रिय सुरम्य स्थानों में से एक बनाती है। वर्ष के विभिन्न मौसमों में, सुरंग के अंदर रोशनी और छाया एक अनोखे तरीके से खेलती है, और इस तरह, फोटोग्राफर इस जगह को पसंद करते हैं। जोड़े और नवविवाहित जोड़े अक्सर इस ट्रैक के किनारे फोटो शूट करवाते हैं। मनमोहक प्राकृतिक ट्रेन सुरंग साल के किसी भी समय जनता के लिए खुली रहती है। गर्मियों और पतझड़ के मौसम में पर्यटकों के लिए सुरंग का दौरा करना और उसका अनुभव करना सबसे अच्छा होता है, क्योंकि उस समय यह बहुत सुंदर होता है, जब प्रकृति पत्तियों को हरे से लेकर सुनहरे तक के विभिन्न रंगों और टोन में रंग देती है।

तबाही देख राहुल बोले- पिता के निधन पर हुई थी इतनी ही तकलीफ

देश के लिए ये एक भयानक त्रासदी

» वायनाड में पीड़ितों से मिले राहुल व प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरल के वायनाड में भूस्खलन से हुई तबाही को देखना दुखद है। गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वह वही भावनाएं महसूस कर रहे हैं जो उन्हें तब महसूस हुई थीं जब उनके पिता, पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की 1991 में मृत्यु हो गई थी। राहुल ने कहा कि यह वायनाड, केरल और देश के लिए एक भयानक त्रासदी है। हम यहां हालात देखने आये हैं।

यह देखना दुखद है कि कितने लोगों ने अपने परिवार के सदस्यों और अपने घरों को खो दिया है। गांधी ने कहा कि आज मुझे महसूस हो रहा है कि जब मेरे पिता की मृत्यु हुई तो मुझे कैसा महसूस हुआ था। यहां लोगों ने सिर्फ एक पिता नहीं बल्कि पूरा परिवार खो दिया है. हम सभी इन लोगों के सम्मान और स्नेह के ऋणी हैं। पूरे देश का ध्यान वायनाड की ओर है। प्रियंका ने कहा कि हमने पूरा दिन उन लोगों से मिलने में बिताया है जो पीड़ित हैं। यह बहुत बड़ी त्रासदी है. हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं कि लोगों को कितना दर्द हो रहा है। हम यहां उतना ही आराम और समर्थन देने के लिए हैं। हिमाचल प्रदेश में भी बड़ी त्रासदी हुई है। कल, हम बैठकर योजना बनाएंगे कि हम विशेष रूप से उन बच्चों की कैसे मदद कर सकते हैं जो अब अकेले रह गए हैं। कांग्रेस नेता एवं वायनाड से पूर्व सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने केरल में वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र चूरलमाला का दौरा किया। कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी दी। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक बारिश के बीच घटनास्थल पर पहुंचने के बाद राहुलऔर उनकी बहन प्रियंका मेप्पाडी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए रवाना हो गए। उन्होंने बताया कि वहां से वे डॉ. मूपेन मेडिकल कॉलेज और मेप्पाडी स्थित दो राहत शिविरों के लिए रवाना होंगे। पार्टी महासचिव एवं अलप्पुझा से सांसद के सी वेणुगोपाल भी उनके साथ हैं। गांधी ने 2019 में वायनाड लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीता था।

बचे लोगों का हक दिलाएंगे और मदद की कोशिश करेंगे

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हम मदद करने की कोशिश करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि बचे लोगों को उनका हक मिले। उनमें से बहुत से लोग स्थानांतरित होना चाहते हैं। यहां बहुत कुछ करने की जरूरत है। मैं डॉक्टरों, नर्सों, प्रशासन और स्वयंसेवकों सहित उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरे लिए, यह निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय आपदा है। देखते हैं सरकार क्या कहती है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह समय राजनीतिक मुद्दों पर बात करने का है। यहां के लोगों को मदद की जरूरत है। अभी समय यह सुनिश्चित करने का है कि सभी सहायता मिले। मुझे अभी राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे वायनाड के लोगों में दिलचस्पी है।

पीएम पर अभद्र टिप्पणी के मामले में राहुल की अगली सुनवाई 31 अगस्त को

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उपनाम को लेकर अभद्र टिप्पणी के मामले में निगरानी याचिका पर जवाब दाखिल किया गया। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर परिवाद खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। जवाब दाखिल होने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश हरबंस नारायण ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 31 अगस्त की तारीख तय की है। इससे पहले राहुल गांधी के वकील प्रांशु अग्रवाल ने जवाब दाखिल किया और वादी दिलीप श्रीवास्तव के वकील राजेश श्रीवास्तव और प्रवीण सिंह को जवाब की प्रति उपलब्ध कराई। बता दें, वादी दिलीप ने अदालत में राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दायर करके आरोप लगाया था कि 18 मार्च 2018 को एआईसीसी की मीटिंग में कांग्रेस नेता ने अपने भाषण में प्रधानमंत्री की तुलना ललित मोदी और नीरव मोदी से की है। ललित-नीरव भ्रष्टाचार में लिप्त थे।

अतीक-अशरफ अहमद हत्याकांड की रिपोर्ट न्यायिक आयोग ने सौंपी

» पुलिस को दी क्लीन चिट, मीडिया को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व सांसद एवं कुख्यात माफिया अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल में 15 अप्रैल 2023 को हुई हत्या में राज्य या पुलिस की कोई भूमिका नहीं मिली है। इस हत्याकांड के बाद राज्य सरकार द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिलीप बाबा साहब भोंसले की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट विधानसभा में पेश की गयी। रिपोर्ट में घटना के पीछे मीडिया के असंयमित व्यवहार को जिम्मेदार ठहराया गया है।

साथ ही, तमाम सुझाव भी दिए गए हैं। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अतीक और अशरफ की हत्या या उनको मरवाने की घटना में पुलिस तंत्र या राज्य तंत्र का कोई संबंध, सुराग, सामग्री या स्थिति नहीं प्राप्त हुई। दोनों की हत्या राज्य या पुलिस के अधिकारियों के इशारे पर किया गया कोई पूर्व नियोजित कृत्य या लापरवाही के कारण नहीं हुआ था। साक्ष्यों से पता चलता है कि घटना अचानक 9 सेकंड में हो गयी थी। उस दौरान मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की प्रतिक्रिया सामान्य थी। उनके पास दोनों को बचाने, हमलावरों को पकड़ने या ढेर कर देने का समय नहीं था। पूरी घटना कुछ ही सेकंड में घटी थी। आयोग ने अपने निष्कर्ष में कहा कि अतीक और अशरफ की मौत से पुलिस को बहुत कुछ खोना पड़ा। उनसे हथियारों और गोला बारूद की बरामदगी की जानी थी, जो पाकिस्तान निर्मित थे।

मृत छात्रों के परिजनों को 10 लाख की मदद देगी दिल्ली सरकार

» कोचिंग हादसा- विद्यार्थियों से मिले सांसद संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर में पानी भरने से तीन छात्रों की हुई मौत के बाद प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों से आप सांसद संजय सिंह ने मुलाकात की। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार और एमसीडी इस हादसे में मृतक छात्रों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देगी। साथ ही मृतक छात्रों की याद में लाइब्रेरी बनाई जाएंगी। इसे बनाने के लिए वह सांसद निधि से एक-एक करोड़ रुपये देंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों के समर्थन में सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाई आई है। इस दौरान छात्रों ने हादसे के जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कोचिंग सेंटर्स को रेगुलेट करने के लिए बने कानून : संजय सिंह

संजय सिंह ने राजेंद्र नगर में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। उन्होंने बताया कि छात्रों ने सुझाव दिया है कि दिल्ली में कोचिंग सेंटर्स को रेगुलेट करने के लिए एक कानून बनाना चाहिए ताकि कोचिंग सेंटर्स के मालिक मनमानी फीस न ले सकें। हॉस्टल के नाम पर अधिक पैसा न लिए जाएं। साथ ही, बेसमेंट में ऐसी लाइब्रेरी या क्लासेज नहीं चलनी चाहिए, जिससे छात्रों का जीवन खतरे में न पड़े।

गीताश्री और सुधांशु को 'शिव' स्मृति पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में प्रथम शिव कुमार स्मृति सम्मान पुरस्कार श्रृंखला, उपन्यास लेखन में गीताश्री को उनके उपन्यास क़ैद बाहर और कहानी-लेखन के लिए सुधांशु गुप्त को उनके कहानी संग्रह तेहरवां महीना के लिए सम्मान व पुरस्कार दिया गया। आईआईसी के कमला देवी ब्लॉक में आयोजित समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अशोक वाजपेयी, ममता कालिया, चित्रा मुद्गल और महेश दर्पण ने की। इस मौके पर ललिता अस्थाना भी वक्ता के रूप में शामिल हुईं।

समारोह में उपस्थित वरिष्ठ व युवा रचनाकारों और पत्रकारों की भारी संख्या के बीच एकबारगी लगा कि कथाकार शिव कुमार शिव स्वयं यहां उपस्थित हो गये हैं, अपनी कहानियों-उपन्यासों के माध्यम से। ज्ञातव्य है कि शिव कुमार शिव की कहानियाँ प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिकाओं में छपीं। पहला कहानी संग्रह 'देह दाह' सन् 1989 में प्रकाशित हुआ। इसके बाद 'जूते','दहलीज', 'मुक्ति' और 'शताब्दी का सच' कहानी संग्रह प्रकाशित हुए, कहानियों के अलावा उन्होंने' आंचल की छांव में' और वनतुलसी की गंध नाम से एक उपन्यास भी लिखा। 2005 में 'तुम्हारे हिस्से का चांद' उपन्यास प्रकाशित हुआ और चर्चित रहा।

किस्सा पत्रिका की संपादक ने की थी पुरस्कार की पहल

किस्सा पत्रिका की संपादक अनामिका शिव की पहल पर ही यह सम्मान शुरू किया गया है। इसमें आनंद सिंघानिया व मीनाक्षी सिंघानिया का भी सक्रिय सहयोग रहा। उक्त दोनों रचनाकारों को सम्मानित करते हुए तीनों वरिष्ठ रचनाकारों ने पुरस्कृत लेखकों की रचनाधर्मिता पर बात की। महेश दर्पण यह मानते हैं कि शिव कुमार शिव दरअसल एक बैचैन आत्मा थे, अपने वैचारिक स्वातंत्र्य को जीनेवाले जब कभी भी मिलते थे तो अनेक प्रकार की योजनाओं के साथ।

कुसाले ने दिलाया भारत को तीसरा पदक

» 50 मीटर एयर राइफल 3 पोजिशन में कांस्य मेडल जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के छठे दिन जहां भारत के लिए खुशी से भरा रहा, वहीं भारत के लिए पदक के अहम दावेदारों ने निराश भी किया है। सबसे पहले शूटिंग में स्वप्निल कुसाले ने भारत का खाता खोला। उन्होंने 50 मीटर एयर राइफल 3 पोजिशन में कांस्य मेडल जीता, इसके साथ ही वह इस इवेंट में ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाले और पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं।

स्वप्निल की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि उन्होंने अपने पहले शॉट में 9.6 शॉट लगाए, लेकिन फिर उन्होंने गति पकड़ी और नीलिंग पोजिशन स्टेज की पहली सीरीज के शेष प्रयासों में 10 से अधिक शॉट लगाए।

बैडमिंटन में भारत को दिन की एक और निराशा मिली है। पीवी सिंधु को सीधे सेटों में हार मिली। चीन की ही बिंग जाओ ने 21-19, 21-14 से हरा दिया और क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। वहीं सिंधु का सफर खत्म हो गया है। पुरुषों के बैडमिंटन युगल वर्ग में सात्विक-चिराग की जोड़ी मेडल जीतने का सपना टूट गया है। भारतीय शटलर सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हारकर ओलंपिक से बाहर हो गई है। भारतीय जोड़ी मलेशिया के आरोन चियान और सोह वूई यिक की जोड़ी के खिलाफ 21-13, 14-21, 16-21 से मैच गंवा बैठी।

हार के साथ ही पीवी सिंधु का सफर खत्म

लक्ष्य ने प्रणॉय को हराया

बैडमिंटन में मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणॉय का आमना-सामना हुआ। जहां लक्ष्य ने प्रणॉय को 2-0 से मैच अपने नाम किया। अपना पहला ओलंपिक खेल रहे लक्ष्य सेन ने अब तक इस ओलंपिक में एक भी मुकाबला नहीं हारा है। वहीं इस मुकाबले में उन्होंने प्रणॉय को कोई मौका नहीं दिया। वह 11-6 से आगे थे इसके बाद उन्होंने गेम को 21-12 से अपने नाम कर लिया।

शहर की सड़कों पर स्त्री

अपनी आने वाली फिल्म स्त्री-2 के प्रमोशन के लिए राजधानी लखनऊ पहुँचे अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर। इस मौके पर लोगों ने स्त्री के स्लोगन का पोस्टर लेकर दोनों का अभिवादन किया।

सुप्रीम आदेश: इसी साल नीट के मुद्दे सुलझाये केंद्र

» सुप्रीम कोर्ट बोला- कोई व्यवस्थागत उल्लंघन नहीं हुआ, लीक सिर्फ पटना और हजारीबाग तक सीमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2024 मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीट-यूजी 2024 के पेपर में कोई व्यवस्थागत उल्लंघन नहीं हुआ है। लीक सिर्फ पटना और हजारीबाग तक सीमित था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि केंद्र द्वारा गठित समिति परीक्षा प्रणाली की साइबर सुरक्षा में संभावित कमजोरियों की पहचान करने, जांच बढ़ाने की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी निगरानी के लिए तकनीकी प्रगति के लिए एसओपी तैयार करने पर भी विचार करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसने अपने फैसले में एनटीए की संरचनात्मक प्रक्रियाओं में सभी कमियों को उजागर किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम छात्रों की बेहतरी के लिए ऐसा नहीं होने दे सकते। इसलिए जो मुद्दे उठे हैं, उन्हें केंद्र को इसी साल ठीक करना चाहिए, ताकि ऐसा दोबारा न हो। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई को विवादों से घिरे नीट-यूजी 2024 को रद्द करने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। तब कोर्ट ने कहा था कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई डेटा नहीं है, जो प्रश्नपत्र के व्यवस्थित रूप से लीक होने और अन्य गड़बड़ियों का संकेत दे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता नरेंद्र हुड्डा, संजय हेगड़े और मैथ्यूज नेदुमप्रा सहित वकीलों की दलीलें करीब चार दिनों तक सुनीं थीं।

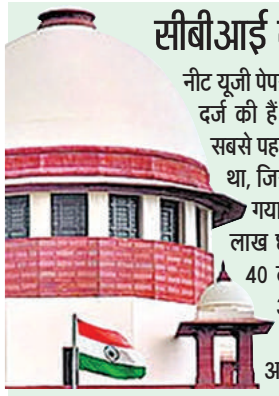

सीबीआई ने छह एफआईआर दर्ज की

नीट यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने छह एफआईआर दर्ज की हैं। नीट प्रवेश परीक्षा में धांधली के आरोप में सबसे पहले पटना पुलिस ने 5 मई को मामला दर्ज किया था, जिसे बाद में 23 जून को सीबीआई को सौंप दिया गया। 5 मई तो हुई नीट परीक्षा में देशभर में 23 लाख छात्र शामिल हुए थे। अब तक नीट मामले में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 15 आरोपियों को बिहार पुलिस ने पकड़ा था और अब तक इस मामले में 58 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया जा चुका है।

मेइती और हमार समुदायों के बीच सरकार ने कराया समझौता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। मणिपुर के हालात सामान्य होने के लिए पूरा देश जहां लंबे समय से प्रार्थना कर रहा है वहीं राज्य और केंद्र सरकार भी तमाम उपायों के माध्यम से कानून व्यवस्था की स्थिति को बहाल करने की कोशिशों में लगी हुई हैं। यह कोशिशें तब रंग लाईं जब मेइती और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों ने मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में शांति बहाली के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमति व्यक्त की।

देखा जाये तो एक जिले में शांति पर बात बनना कोई कम उपलब्धि नहीं है। जब हर जगह अंधेरा छाया हुआ हो तो रोशनी की एक किरण भी पूरे क्षेत्र में उजाला कर सकती है। इसलिए देश को उम्मीद है कि जिरीबाम जिले में शांति स्थापित होने के बाद पूरे राज्य में भी शांति और समृद्धि आयेगी। जहां तक शांति समझौते की बात है तो आपको बता दें कि अधिकारियों ने बताया है कि असम के कछार में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक प्रतिष्ठान में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच यह समझौता हुआ। अधिकारियों ने बताया कि बैठक का संचालन जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ ने किया। बैठक में जिरीबाम जिले के थाडौ, पैते और मिजो समुदायों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र में बदले जाएंगे औरंगाबाद-उस्मानाबाद के नाम

» सुप्रीम कोर्ट में खारिज हुई सरकारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (2 अगस्त) को महाराष्ट्र सरकार के उस फैसले को हरी झंडी दी, जिसमें राज्य के दो शहरों का नाम बदलने का फैसला किया गया था। महाराष्ट्र सरकार के जरिए राज्य के औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजी नगर और उस्मानाबाद का नाम धाराशिव रखने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। देश की शीर्ष अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया।

दरअसल, याचिकाकर्ताओं ने पहले बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसने राज्य सरकार के फैसले में किसी तरह की वैधानिक चुनौती नहीं देखी और उसे सही ठहराया।

फैसले की न्यायिक समीक्षा की जरूरत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाम बदलना सरकार का अधिकार होता है. इसकी न्यायिक समीक्षा की जरूरत नहीं होती है। हाईकोर्ट ने आपकी बात सुनकर ही विस्तृत आदेश दिया है। हम उसमें दखल नहीं देंगे। इससे पहले 8 मई को हाईकोर्ट ने औरंगाबाद का नाम बदल कर छत्रपति संभाजी नगर और उस्मानाबाद का नाम धाराशिव करने के राज्य सरकार के फैसले को सही ठहराया था। कोर्ट ने कहा था कि फैसला कानूनी रूप से सही है अब सुप्रीम कोर्ट ने भी उस पर मोहर लगाई है।

सपा सांसद की संपत्ति ईडी ने की जब्त

» एक्शन के बाद यूपी की राजनीति में हड़कंप मचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर से समाजवादी पार्टी सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के खिलाफ कार्रवाई की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने लखनऊ के कानपुर रोड में स्कूटर इंडिया स्थित करोड़ों की संपत्ति को ईडी की टीम ने जब्त कर लिया। अब इस एक्शन की चर्चा शुरू हो गई है। इस एक्शन के बाद यूपी की राजनीति में हड़कंप मचा हुआ है। ईडी एक्शन का मामला शुक्रवार सुबह से ही गरमाया हुआ था।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा इस एक्शन का शिकार हुए। सपा सांसद के खिलाफ ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। अखिलेश यादव भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। उधर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पूर्वानुमान शक्रवार की सुबह तो सही साबित नहीं हुआ जिसमें उन्होंने अपने यहां छापे की बात कही थी। उनके सहयोगी दल के नेता के खिलाफ जरूर कार्रवाई हो गई है। ईडी की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग केस में यह कार्रवाई की गई है।

2012 में दर्ज हुआ था केस

मायावती सरकार में मंत्री रहे बाबू सिंह कुशवाहा के खिलाफ कभी अखिलेश यादव और कांग्रेस हमलावर थी। एनएचआरएम केस में बाबू सिंह कुशवाहा का नाम सामने आया था। संपत्तियों के घोटाले के मुख्य आरोपी बसपा सरकार में मंत्री रह बाबू सिंह कुशवाहा और उनके करीबी रहे सौरभ जैन को आरोपी बनाया गया था।

केरल से लेकर जम्मू तक भूस्खलन से जीवन अस्त-व्यस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल, हिमाचल, उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। अभी इन राज्यों की तबाही का मंजर लोग भूले भी नहीं कि जम्मू में भी बादल फटने से भारी तबाही आई है। उधर उत्तर से लेकर पश्चिम भारत में बर्षा से हालात बदतर हो गए हैं। आपदा से निपटने के लिए सरकारें जुटी हुई हैं। वायनाड अब तक भूस्खलन के चलते 308 लोगों की अब तक जान जा चुकी है।

बारिश के पूर्वानुमानों के मद्देनजर त्रिशूर, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में स्कूल, कॉलेज और ट्यूशन सेंटर सहित सभी शैक्षणिक संस्थान आज यानी 2 अगस्त को बंद रहेंगे। छुट्टी की घोषणा उस समय हुई जब केरल के मौसम विभाग ने शनिवार तक वायनाड जिले में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

308 हुई वायनाड में मरने वालों की संख्या

पंपोर में बादल फटा, वैष्णो देवी में हेलिकॉप्टर सेवा रही बंद

जम्मू-कश्मीर में बीते 24 घंटे के दौरान हल्की से भारी बारिश दर्ज की गई। वीरवार तड़के जम्मू व श्रीनगर समेत कई जिलों में बारिश से नदी-नालों में उफान आ गया। पुलवामा के पंपोर में बादल फटने से एक घर में पानी भर गया, हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ। रामबन के हिंगनी में सुबह करीब आठ बजे पस्सियां गिरने से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एक घंटे तक बंद रहा। वैष्णो देवी में हेलिकॉप्टर सेवा दिनभर बंद रही। जम्मू में बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया। शहर के बठिंडी इलाके में दो मकान गिर गए। किश्तवाड़ समेत प्रदेश के सभी नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों से दूर रहने की सलाह दी है।

विजयन ने विवादास्पद नोट को वापस लेने का आदेश दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मुख्य सचिव वी. वेणु को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) द्वारा जारी उस विवादास्पद नोट को वापस लेने का निर्देश दिया जिसमें वायनाड में हाल में हुए घातक भूस्खलन के संबंध में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों को मीडिया के साथ राय और अध्ययन साझा करने करने से कथित तौर पर रोक दिया गया था।

विजयन ने एक बयान में कहा कि यह खबर भ्रामक है कि एसडीएमए ने वैज्ञानिक संस्थानों और वैज्ञानिकों को वायनाड में आपदा प्रभावित मेप्पाडीका दौरा नहीं करने और अपनी राय व्यक्त नहीं करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''राज्य सरकार की ऐसी कोई नीति नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुख्य सचिव को तुरंत हस्तक्षेप करने और ऐसा संदेश देने वाले नोट को वापस लेने का निर्देश दिया गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।